

तरंग प्रकाशिकी | Physics class 12 chapter 10 notes in hindi pdf

तरंग प्रकाशिकी

1. प्रकाश सीधी सरल रेखा में चलता है।
2. प्रकाश तरंगों ईथर में अधिक वेग से चलती है क्योंकि ईथर भारहीन है। इसका घनत्व बहुत ही कम तथा प्रत्यास्थता बहुत अधिक होती है।
3. हाइगेंस के द्वितीयक तरंगिकाओं के सिद्धांत से प्रकाश के परावर्तन, अपवर्तन के नियमों की तथा प्रकाश के व्यतिकरण और विवर्तन की व्याख्या की जा सकती है। एवं इस सिद्धांत से प्रकाश विद्युत प्रभाव की व्याख्या नहीं की जा सकती है।
4. अपवर्तन की घटना में तरंग की चाल तथा तरंगदैर्घ्य का मान बदल जाता है जबकि तरंग की आवृत्ति नहीं बदलती है।
5. पानी में प्रकाश की चाल हवा में प्रकाश की चाल से कम होती है। क्योंकि पानी का अपवर्तनांक, हवा के अपवर्तनांक से अधिक होता है।
6. व्यतिकरण फ्रिजों की आकृति अतिपरवलयकार होती है।
7. व्यतिकरण फ्रिजों की चौड़ाई समान भी हो सकती है अथवा नहीं भी हो सकती है। लेकिन विवर्तन फ्रिजों की चौड़ाई कभी भी समान नहीं हो सकती है।
8. ध्रुवण की घटना केवल प्रकाश में ही होती है ध्वनि में ध्रुवण की परिघटना नहीं होती है।
9. पोलैराइड द्वारा अध्रुवित प्रकाश को ध्रुवित प्रकाश में परिवर्तित किया जाता है।